श्रम विभाग की जांच में आइडियल की खुली परतें

रजिस्टर और दस्तावेज नहीं दिखा सकी कंपनी, वेतन और पीएफ को लेकर भारी गड़बड़ी, श्रम कानून उल्लंघन का आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । जिले में औद्योगिक विकास के दावों के बीच श्रमिकों के अधिकारों को कुचलने का एक और गंभीर मामला सामने आया है। कोयला खदानों के लिए बारूद निर्माण करने वाली आइडियल कंपनी पर श्रम कानूनों की खुलेआम अनदेखी, मजदूरों के शोषण और बिना नोटिस सामूहिक छंटनी के आरोप लगे हैं। अचानक 50 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिए जाने से न केवल श्रमिकों में आक्रोश हैं, बल्कि पूरे जिले में औद्योगिक इकाइयों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामला तूल पकड़ने के बाद श्रम विभाग हरकत में आया है और कंपनी के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।

जिले में कोयला खदानों के लिए बारूद निर्माण करने वाली आइडियल कंपनी जयंत एक बार फिर विवादों में घिर गई है।

कंपनी प्रबंधन पर श्रम कानूनों के गंभीर उल्लंघन और बिना पूर्व सूचना के करीब 50 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से बाहर करने का आरोप लगा है। मामले को सामने आने के बाद श्रम विभाग ने जांच शुरू कर दी है, वहीं निकाले गए कर्मचारियों ने पिछले दिनों बुधवार को कंपनी गेट और कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया था। बता दें कि प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें न तो छंटनी से पहले कोई नोटिस दिया गया और न ही दिसंबर माह का वेतन भुगतान किया गया। अचानक काम से हटा दिए जाने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी द्वारा भविष्य निधि पीएफ की राशि समय पर उनके खातों में जमा नहीं की गई और कई कर्मचारियों को अब तक पीएफ नंबर तक उपलब्ध नहीं कराए गए। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से वेतन, पीएफ, एरियर और अन्य श्रम अधिकारों को लेकर कंपनी प्रबंधन से शिकायत कर रहे थे, लेकिन हर बार उनकी मांगों को अनदेखा किया गया। मजबूर होकर उन्होंने पहले कंपनी गेट पर प्रदर्शन किया और बाद में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। शिकायत मिलने पर श्रम विभाग के अधिकारी जांच के लिए कंपनी परिसर पहुंचे। वहीं कंपनी प्रबंधन की ओर से स्थानीय निदेशक एसके राठौर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वर्करों के वेतन भुगतान से संबंधित सभी रिकॉर्ड हेड ऑफिस भेजे जा चुके हैं, वहीं से देरी हो रही है। उन्होंने किसी भी तरह की जानबूझकर की गई लापरवाही से इनकार किया है। फिलहाल श्रम विभाग की जांच जारी है। यदि आरोप सही पाए गए, तो आईडियल कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। मामले को लेकर जिले में औद्योगिक ईकाइयों में श्रमिक अधिकारों और श्रम कानूनों के पालन पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रबंधन का बचाव, हेड ऑफिस पर टाला गया मामला

कंपनी प्रबंधन की ओर से स्थानीय निदेशक एसके राठौर ने आरोपों को खारिज करने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि कर्मचारियों के वेतन और अन्य भुगतान से जुड़े सभी रिकॉर्ड हेड ऑफिस भेजे जा चुके हैं और देरी वहीं से हो रही है। उन्होंने किसी भी प्रकार की जानबूझकर की गई लापरवाही से इनकार किया है। हालांकि श्रम विभाग इस तर्क से संतुष्ट नहीं दिख रहा। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में आरोप सही पाए गए, तो आइडियल कंपनी के खिलाफ श्रम कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रारंभिक जांच में कई अनियमितता आईं सामने

प्रभारी श्रम पदाधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कंपनी द्वारा कई स्तरों पर लापरवाही सामने आई है। वेतन भुगतान न करना, पीएफ से जुड़ी अनियमितताएं और कर्मचारियों की छंटनी से पूर्व नियमानुसार प्रक्रिया का पालन न करना श्रम कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन माना जाता है। इन तथ्यों के आधार पर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ श्रम कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि श्रम विभाग द्वारा मांगे गए रजिस्टर और आवश्यक दस्तावेज कंपनी प्रबंधन उपलब्ध नहीं करा सका।

प्रभारी मंत्री का अचानक बना सिंगरौली दौरा कार्यक्रम

थाना एवं चौकियों में हो सकता है फेरबदल, चर्चाओं का बाजार गर्म

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । म.प्र. शासन लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री सम्पतिया उईके अचानक सिंगरौली आई हैं। जहां स्थानीय कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। उधर चर्चा है कि मोरवा को नये थाना प्रभारी मिल सकते हैं। साथ ही अन्य थाना व चौकियों में फेरबदल की संभावना है।

दरअसल सिंगरौली में हाल ही में कुछ घटनाओं को लेकर भोपाल में भी चर्चाओं का विषय बना हुआ है। मोरवा थाना प्रभारी निरीक्षक यूपी सिंह को अचानक पीएचक्यू भोपाल तबादला के बाद पुलिस महकमे में इन दिनों हलचलें तेज हो गई हैं। मोरवा का थाना प्रभारी कौन होगा, इसपर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं इसी बीच प्रभारी मंत्री सम्पतिया उईके का अचानक सिंगरौली आगमन को लेकर चर्चाओं के बाजार को और भी गर्म कर दिया है। सूत्र बता रहे हैं कि प्रभारी मंत्री शुक्रवार की ही रात में मंथन करेंगी की मोरवा थाने का कमान किसे सौपी जाए। वहीं यह भी चर्चा है कि कोतवाली बैढ़न, जयंत एवं गोरबी चौकी में भी फेरबदल हो सकता है। पुलिस महकमें में भी इस बात की चर्चाएं जोर-शोर से है। वहीं इस बात की भी चर्चा है कि यदि विधायको की सहमति नही हुई तो बात आगे भी बढ़ सकती है। प्रभारी मंत्री का अचानक सिंगरौली आना सियासी क्षेत्र में भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

एक नजर में

नौगढ़ प्रीमियर लीग एनपीएल 26 सीजन का हुआ आगाज

सिंगरौली। नौगढ़ प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट की अध्यक्षता कर रहे वार्ड 45 नौगढ़ के पार्षद रामगोपाल पाल के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि के रूप में ननि डिप्टी कमिश्नर राम प्रकाश बैस, विनोद चौबे किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सिंगरौली, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवीण तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता, डॉ. राजवीर सिंह मेडिकल कॉलेज, आयुष विश्वकर्मा सहित अन्य के उपस्थिति में नौगढ़ प्रीमियर लीग का उद्घाटन कार्यक्रम फीता काटकर शुभारंभ किया गया। नौगढ़ प्रीमियर लीग का उद्घाटन मुकाबला बैढ़न बॉयज और तौफीक इलेवन बिलौंजी के बीच खेला गया, जिसमें 12 ओवर के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते तौफीक इलेवन बिलौंजी ने 10वे ओवर में ऑल आउट होते हुए 97 रन बनाए। जिसमें लक्ष्य का पीछा करते हुए बैढ़न बॉयज की टीम ने रोमांचक मुकाबले को 11 वे ओवर में अपने नाम किया ।

राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम में सूर्य नमस्कार 12 को

सिंगरौली। स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस एवं युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को प्रदेश के साथ ही जिले में भी सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में प्रात: 9 बजे आयोजित किया गया है। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिकों के साथ ही शासकीय और अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा एक साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार किया जाएगा। सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जाएगा।

सुलियरी ने फाटपानी टीम को शिकस्त देकर विजयी ट्रॉफी पर किया कब्जा

16 टीमों के करीब 240 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

नवभारत न्यूज

सरई 9 जनवरी । स्थानीय तहसील अन्तर्गत धिरौली एवं सुलियरी परियोजना के आसपास के गांवों में युवाओं को खेलों के प्रति बढ़ावा देने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से राज क्लब, धिरौली द्वारा सात दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया गया।

बीते गुरुवार को फाटपानी गांव में आयोजित फाइनल मुकाबले में सुलियरी की टीम ने फाटपानी टीम को बेहद रोमांचक मुकाबले में पेनाल्टी शूटआउट में 2-0 से शिकस्त देकर विजयी ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इससे पहले सेमीफाइनल मैच में सुलियरी की टीम ने सिरसवाह की टीम को पछाड़ा था, जबकि फाटपानी सीनियर की टीम ने फाटपानी जूनियर टीम को शिकस्त देकर फाइनल मुकाबले के लिए अपनी जगह बनाई थी। 2 से 8 जनवरी तक फाटपानी गांव में आयोजित इस फुटबॉल टूर्नामेंट में आसपास के जिलों एवं गांवों की कुल 16 टीमों के करीब 240 खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अदाणी फाउंडेशन की तरफ से विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनका मनोबल बढ़ाने के लिए विजेता और उपविजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को अदाणी फाउंडेशन की तरफ से फुटबॉल जर्सी सेट के साथ फुटबॉल किट देकर सम्मानित किया गया। वहीं खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए मैच के दौरान सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण खेल के मैदान में मौजूद रहे।

उप-पंजीयक दफ्तर पर ताला, जिला मुख्यालय में जनता से खुला मजाक

बिना सूचना अवकाश पर सब-रजिस्टार, विक्रेता, सेवा प्रदाता दिनभर भटकते रहे

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । जिला मुख्यालय बैढ़न स्थित कलेक्ट्रेट भवन में संचालित उप-पंजीयक कार्यालय की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई।

आज दिन शुक्रवार को दिनभर कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लटका रहा। न तो आम नागरिकों को कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही स्टांप विक्रेताओं, दस्तावेज लेखकों और सेवा प्रदाताओं को यह जानकारी थी कि सब-रजिस्टार अवकाश पर हैं। नतीजा यह हुआ कि दूर-दराज से आए लोग, किसान, महिलाएं और बुजुर्ग पूरे दिन दफ्तर के बाहर भटकते रहे। सबसे गंभीर बात यह रही कि सब-रजिस्टार के अवकाश पर जाने के बावजूद किसी भी उप-पंजीयक को प्रभार नहीं सौंपा गया। इससे स्पष्ट है कि विभागीय नियमों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को खुलेआम ताक पर रखा जा रहा है। पंजीयक जैसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए जिला मुख्यालय पर यदि यही हाल है, तो ग्रामीण अंचलों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। स्थानीय लोगों और दस्तावेज लेखकों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। आए दिन इसी तरह सब-रजिस्टार बिना पूर्व सूचना के छुट्टी पर चले जाते हैं और पूरा कार्यालय ठप हो जाता है।

रजिस्ट्री दस्तावेज सत्यापन जैसे जरूरी कार्यों के लिए लोग तारीख पर तारीख काटने को मजबूर हैं। इससे न केवल समय और धन की बर्बादी हो रही है, बल्कि आम जनता का प्रशासन पर से भरोसा भी टूटता जा रहा है। स्टांप विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पूरे दिन कार्यालय बंद रहने से उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है। कई मामलों में रजिस्ट्री की तय तारीख निकल जाती है, जिससे कानूनी और आर्थिक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी न जवाबदेह हैं और न ही किसी प्रकार की सूचना व्यवस्था मौजूद है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन और पंजीयक विभाग को इन हालात की जानकारी नहीं है या फिर सब कुछ जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। यदि समय रहते इस मनमानी पर रोक नहीं लगी और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में जनआक्रोश और भड़केगा। सिंगरौली का उप-पंजीयक दफ्तर इस समय अव्यवस्था, लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है।

यातायात पुलिस ने आयोजित किया जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है।

यातायात पुलिस द्वारा आज दिन शुक्रवार को शहर के विभिन्न चौराहों एवं तिराहे पर आम जन को यातायात नियमों की जागरूक किया गया एवं बैनर पोस्टर लगाया गया। सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक होने का दायित्व है। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना, नशे की हालत में वाहन न चलाना जैसे छोटे-छोटे प्रयास मिलकर गंभीर सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। सड़क सुरक्षा अपनाकर हम न केवल अपना, बल्कि अपने परिवार और समाज का भविष्य भी सुरक्षित करते हैं। वहीं यातायात पुलिस सिंगरौली द्वारा आज शहर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा पोस्टर, बैनर एवं पंपलेट वितरित किए गए।

महिला थाना की पहल से टूटा नहीं परिवार

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । महिला थाना द्वारा समय पर की गई समझाइस से एक परिवार को टूटने से बचा लिया गया।

दुवारी चौकी कुंदवार थाना जियावन निवासी आवेदिका रेखा बंसल पति रोहित बंसल द्वारा महिला थाना में आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसमें उन्होंने ससुराल पक्ष द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत की थी। आवेदन प्राप्त होने के बाद महिला थाना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान 6 जनवरी को आवेदिका, उनके पति एवं अन्य संबंधित परिजनों को महिला थाना बुलाया गया। महिला थाना स्टाफ द्वारा सभी पक्षों की बात विस्तार से सुनी गई। आवेदिका रेखा बंसल ने बताया कि वह किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहतीं और अपने पति के साथ राजी-खुशी रहना चाहती हैं। इस दौरान सास, जेठ एवं जेठानी को भी समझाइस दी गई और पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। महिला थाना द्वारा आवेदिका के पति रोहित बंसल, जो अमलोरी में कार्यरत हैं और वर्तमान में पत्नी के साथ नवानगर में निवास कर रहे हैं, को भी स्पष्ट रूप से समझाया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद या झगड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्थानांतरित मोरवा निरीक्षक यूपी सिंह को दी गई भावभीनी विदाई

व्यापारी एवं गणमान्य नागरिको ने दिया स्मृति चिन्ह, पुलिसिंग कार्यों की लोगों ने की सराहना

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । मोरवा थाना परिसर में आज दिन शुक्रवार की दोपहर एक भावुक माहौल देखने को मिला, जब क्षेत्र के व्यापारियों, गणमान्य नागरिकों एवं आम लोगों ने मिलकर मोरवा थाना निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह को भावभीनी विदाई दी।

बीते बुधवार को निरीक्षक यूपी सिंह का स्थानांतरण सिंगरौली जिले से पुलिस मुख्यालय किया गया था। इसी क्रम में आज शुक्रवार की सुबह वह मोरवा थाना पहुंचकर चार्ज सौंपने और रवानगी लेने पहुंचे थे। जैसे ही उनके आने की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली, बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने थाने पहुंच गए। किसी ने पुष्पगुच्छ भेंट किया, तो किसी ने शाल-श्रीफल एवं माल्यार्पण कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। गौरतलब है कि निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह राष्ट्रीय पुरस्कार केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित अधिकारी हैं और इस वर्ष 26 जनवरी को दूसरी बार भोपाल में डिजीसीआर पदक प्राप्त करने जा रहे हैं। क्षेत्रवासियों के बीच उनकी पहचान एक बेहतरीन और अनुशासित निरीक्षक के रूप में रही है। विदाई समारोह के दौरान अपने उद्बोधन में स्थानीय नागरिकों ने उनकी पुलिसिंग की सराहना करते हुए कहा कि उनके स्थानांतरण से जिला एक संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ निरीक्षक से वंचित हो गया है। विदाई समारोह में एसडीओपी राहुल सैयाम व गोरबी चौकी का समस्त बल मौजूद रहा।

कठिन तपस्या की बजाय हरिनाम स्मरण पर्याप्त है : महाराज

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । भागवत कथा के पांचवे दिन भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं सहित पूतना वध, माखन चोरी और ब्रज की होली फूलों की होली से कथा परिसर भक्ति से सराबोर हो गया ।

कथा वाचक डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के बाद श्रद्धालुओं की विशाल मौजूदगी में ब्रजवासियों के बीच अपार हर्षोल्लास का विस्तार से वर्णन करते हुए बधाईयों के सिलसिले का भी सुधी दर्शकों के बीच सरस संगीत गायन तू ऐसी लगन लगाओ बंसी वाला मिल जाएगा... नन्दलाला मिल जाएगा के माध्यम से बांधे रखा श्रीधाम वृन्दावन से आये कथावाचक श्री महाराज ने अपनी कथा के तारतम्य में श्री कृष्ण बाल लीलाओं प्रसंग का वर्णन किया और भक्तों को समझाइस देते हुए कहा कि कलियुग में कठिन तपस्या की बजाय हरिनाम का स्मरण ही पर्याप्त है। आगे कहा कि कथा सुनने से आत्म-शांति मिलती है और जीवन का सार भजन में ही है।

आवश्यकता है हिन्दू समाज अपनी सांस्कृतिक जड़ों को पहचाने : अंबरीश

नवभारत न्यूज

शक्तिनगर 9 जनवरी । समस्त हिन्दू समाज के तत्वाधान में आज दिन शुक्रवार को माँ दुर्गा पंडाल, अंबेडकर नगर शक्तिनगर में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक चेतना को जागृत करना तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री अंबरीश रहे। उन्होंने अपने ओजस्वी संबोधन में हिन्दू एकता, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा पर विस्तार से प्रकाश डाला। हिन्दू समाज की पहचान केवल एक धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सभ्यता, दर्शन, जीवन-पद्धति और मूल्यों का समग्र स्वरूप है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, योग, आयुर्वेद, गुरु-शिष्य परंपरा ये सभी हमारी सांस्कृतिक जड़ों के प्रतीक हैं। आज वैश्वीकरण व भौतिकवाद के दौर में जब हमारी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटती जा रही है, तब यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि हम अपने संस्कार, परंपरा और नैतिक मूल्यों को पुन: समझें और आत्मसात करें। इतिहास साक्षी है कि जब भी हिन्दू समाज संगठित हुआ है, उसने राष्ट्र को नई दिशा दी है।

एनआरसी में कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर शत-प्रतिशत भर्ती कराएं : गौरव

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 9 जनवरी । कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में कलेक्टर ने पोषण ट्रेंकर अंतर्गत पंजीकृत गर्भवती, धात्री महिलाओं एवं एसएएम, एमएएम बच्चो के जिले में स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के पश्चात निर्देशित किया कि पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से एसएएम, एमएएम बच्चो का चिन्हांकन पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ किया जायें। एप के माध्यम से दर्ज की जाने वाली जानकारी का सत्यापन सेक्टर लेवल पर सुपरवाईजरो द्वारा किया जाये। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रो में बच्चो के हाईट एवं वेट की जानकारी दर्ज नही की गई है उन क्षेत्रो में सुपरवाईज स्वंय जाकर क्षेत्र भ्रमण कर आंकड़े दर्ज कराएं। सभी आंगनवाड़ी केन्द्रो में ग्रोथ चार्ट अनिवार्य रूप से चस्पा किया जाये। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में मातृ शिशु मृत्यु दर एवं चिकित्सालय में पैदा होने वाले शिशुओ का सर्वावाईवल रेट एवं डिस्चार्ज रेट लक्ष्य से कम है, जिसके सुधार के लिए हमे पूरी गंभीरता पूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। इस संबंध में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग को अपने निचले अमले को उनके मूल कार्य एवं सूचना देने की प्रणाली को सुधार कराने जाने के लिए सेक्टर लेवल पर मास्टर ट्रेनर के माध्यम से 30-30 के बैच में प्रशिक्षण दिलाएं। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एनआरसी में कुपोषित बच्चो को चिन्हित कर शत-प्रतिशत भर्ती कराये। बैठक में जिपं सीईओ जगदीश गोमे, डीपीओ जीतेन्द्र गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. पुष्पराज सिंह, डीपीएम सुधांशु मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।